हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 17 : जौनपुर, बुधवार 11 अक्टूबर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

छह वर्ष में दी 6 लाख से अधिक युवाओं को नौकरी : योगी

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, यूपी देश के नए रोजगार सृजन का गंतव्य बनकर उभरा है। सीएम योगी ने आज लोकभवन में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में यह बात कहीं। उन्होंने निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 393 होम्योपैथिक फार्मासिस्ट को नियुक्ति पत्र वितरित किया।उन्होंने कहा कि नौजवान पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ मिलकर कार्य करेंगे तो उत्तर प्रदेश को कोई बीमारू नहीं रख सकता है। पहले उत्तर प्रदेश में लोक सेवा आयोग के परिणाम आने में डेढ़ से 2 साल लगते थे, अब अधीनस्थ सेवा चयन आयोग निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से 6 महीने से 9 महीने के अंदर परिणाम दे रहा है। फरवरी में उत्तर प्रदेश में ग्लोबल इन्वेटर्स समिट हुई। इससे प्रदेश को 38 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।इससे एक करोड़ से अधिक नौजवानों को नौकरी मिलेगा। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद हमेशा से हमारे जीवन का हिस्सा

रहा है। योग प्राचीन काल से भारत की परंपरा के साथ जुड़ा रहा है। होम्योपैथ का उपयोग गांवों में लोग किसी न किसी रूप में करते रहे हैं लेकिन पहली बार आयुर्वेद, योग, प्रकृति चिकित्सा, सिद्धा और होम्योपैथ को मिलाकर जब आयुष मंत्रालय का गठन हुआ तो इससे भारत की ट्रेडिशनल मेडिसिन को एक नई पहचान मिली है।उन्होंने कहा कि आयुष की अलग–अलग विधाओं में डिग्री और डिप्लोमा कोर्सेज प्रारंभ हो सके इसके लिए प्रदेश में आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना हो रही है। सीएम योगी ने कहा कि पहले आयुर्वेद के लिए चयनित फार्मासिस्ट को सरकारी नौकरी नहीं दी जाती थी लेकिन आज सरकारी व्यवस्था का हिस्सा है। हमारी सरकार आयुष की सभी विधाओं को प्रोत्साहित कर रही है। हम पांच हजार की आबादी पर योग और वेलनेस सेंटर के लिए कार्यवाही युद्ध स्तर पर आगे बढ़ रहे हैं। भारत के अंदर हेल्थ टूरिज्म की सबसे ज्यादा संभावना आयुष में है। आज दुनिया इस तरफ देख रही है। हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम हेल्थ टूरिज्म के लिए आने वाले लोगों को वैश्विक स्तर का वातावरण दें। उन्होंने नवचयनित फार्मेसिस्टों को नसीहत देते हुए कहा कि मरीज के प्रति आपका व्यवहार उसकी काफी समस्याओं का समाधान कर सकता है। सद्भावना पूर्ण व्यवहार से मरीज की आधी बीमारी दूर हो जाती है। करियर और उत्तम आरोग्यता के लिए ट्रेडिशनल मेडिसिन को प्रोत्साहित करें। आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा और होम्योपैथ से जुड़े चिकित्सक बिना किसी संकोच के रिसर्च एवं डेवलपमेंट के कार्यक्रम को आगे बढ़ाएं। हम आयुष से जुड़ेपैरामेडिक्स भी इन विधाओं को बढ़ाने में महत्वपूर्णभूमिका निभा सकते हैं। वह मरीज का डाटा एकत्रित कर एक डाटा बैंक बना सकते हैं, जो स्टडी रिपोर्ट तैयार करने के काम में आ सकती है। कार्यक्रम में सीएम योगी ने चयनित हुए कुछ होम्योपैथिक फार्मासिस्ट से संवाद भी किया। हरदोई के मोहम्मद आरिफ ने कहा कि वह अपने परिवार के पहले व्यक्ति पहले हैं, जिनका चयन सरकारी सेवा में हुआ है।

प्रयागराज के विवेक मिश्र ने कहा कि उनका चयन निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत हुआ है। देवरिया की संजना भारती ने कहा कि सीएम योगी द्वारा नियुक्ति पत्र प्राप्त करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। वह गर्व से कह सकती हैं कि आत्मनिर्भर प्रदेश की आत्मनिर्भर बेटी बन चुकी हैं। कार्यक्रम में आयुष विभाग के मंत्री दया शंकर मिश्र दयालु, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव आयुष विभाग लीनाजौहरी, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष प्रवीर कुमार मौजूद थे।

राजनाथ सिंह ने इटली में की रक्षा उद्योग क्षेत्र पर चर्चा

एजेन्सी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इटली और फ्रांस की अपनी यात्रा के पहले चरण के दौरान रोम में इटली के रक्षा मंत्री ग्वीदो क्रोसेत्तो के साथ बातचीत की। इस महत्वपूर्ण बैठक में दोनों पक्षों ने प्रशिक्षण, सूचना साझा करने, समुद्री अभ्यास और समुद्री सुरक्षा सहित रक्षा सहयोग के कई मुद्दों पर चर्चा की। भारतीय रक्षा मंत्रालय के मुताबिक भारत और इटली के बीच हुई इस उच्च स्तरीय बैठक में चर्चा का केंद्र रक्षा उद्यमों में सहयोग के अवसरों की तलाश रहा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों मंत्रियों ने रक्षा क्षेत्र में भारत और इटली की पूरक क्षमताओं और संयुक्त विकास की संभावनाओं पर चर्चा की। रक्षा मंत्री ने इटली की रक्षा कंपनियों और भारतीय स्टार्ट–अप के बीच बातचीत को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। बैठक के बाद रक्षा क्षेत्र में सहयोग संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह समझौता सुरक्षा और रक्षा नीति, अनुसंधान एवं विकास, सैन्य क्षेत्र में शिक्षा, समुद्री डोमेन जागरूकता, रक्षा जानकारी साझा करना और औद्योगिक सहयोग, जिसमें सह–विकास, सह–उत्पादन और संयुक्त उद्यमों की स्थापना शामिल है, जैसे विभिन्न रक्षा क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देगा। इससे पहले, राजनाथ सिंह को विला मदामा में गार्ड ऑफ

ऑनर दिया गया। सिआम्पिनो हवाई अड्डा पहुंचने पर रक्षा मंत्री का इटली में भारतीय राजदूत डॉ. नीना मल्होत्रा और वरिष्ठ इतालवी अधिकारियों ने स्वागत किया। राजनाथ सिंह 9 से 12 अक्टूबर तक इटली और फ्रांस के दौरे पर हैं। अपनी दो देशों की यात्रा के पहले चरण के दौरान, रक्षामंत्री रोम में इटली के रक्षामंत्री ग्वीदो क्रोसेत्तो से मुलाकात की है। मार्च 2023 में इटली के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान भारत और इटली के बीच संबंधों को रणनीतिक भागीदारी तक बढ़ाया गया था। यात्रा के दूसरे और अंतिम चरण के दौरान, भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पेरिस में अपने समकक्ष, फ्रांसीसी सशस्त्र बल मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू के साथ 5वीं वार्षिक रक्षा वार्ता में सम्मिलित होंगे। भारत और फ्रांस ने हाल ही में रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया था। दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण औद्योगिक सहयोग सहित सशक्त और व्यापक द्विपक्षीय रक्षा संबंध हैं।

लोक सभा की विशेषाधिकार समिति के सामने पेश नहीं हुए रमेश बिधूड़ी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। बसपा सांसद दानिश अली पर आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने के मामले में लोक सभा की विशेषाधिकार समिति द्वारा तलब किए जाने के बावजूद भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी समिति के सामने पेश नहीं हुए। बताया जा रहा है कि, राजस्थान विधान सभा चुनाव में व्यस्त होने के कारण रमेश बिधूड़ी आज लोक सभा की विशेषाधिकार समिति के सामने पेश नहीं हो पाए। सूत्रों की माने तो, बिधूड़ी ने विशेषाधिकार समिति के अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह को पत्र लिखकर यह सूचित कर दिया था कि वह आज समिति के सामने पेश नहीं हो पाएंगे। दरअसल, बसपा सांसद दानिश अली और भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी विवाद पर लोक सभा की विशेषाधिकार समिति ने आज पहली बैठक बुलाई थी जिसमें आज समिति ने भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी को अपना पक्ष रखने के लिए तलब किया था। आपको याद दिला दें कि, संसद के विशेष सत्र में लोक सभा में 'चंद्रयान–3 की सफलता

और अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां' पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी ने पिछले महीने 21 सितंबर को दानिश अली के लिए आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया था। दानिश अली के अलावा लोक सभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले, टीएमसी सांसद अपरूपा पोद्दार, डीएमके सांसद कनिमोझी सहित विपक्ष के कई अन्य सांसदों ने लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। वहीं दूसरी तरफ, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और रवि किशन ने भी लोक सभा अध्यक्ष बिरला को पत्र लिखकर दावा किया था कि पहले अली ने बिधूड़ी को उकसाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था।

भाजपा राज्य सभा सांसद हरनाथ सिंह यादव ने भी स्पीकर को पत्र लिखकर दानिश अली के व्यवहार की शिकायत की थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों ही पक्षों ने स्पीकर से इस मामले को विशेषाधिकार समिति के पास भेज कर जांच करवाने का आग्रह किया था।

शुद्ध शून्य उत्सर्जन का 2070 का लक्ष्य कुछ अधिक दीर्घकालिक : पुरी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि शुद्ध शून्य कॉर्बन उत्सर्जन का 2070 का लक्ष्य 'कुछ अधिक दीर्घकालिक है। उन्होंने संकेत दिया है कि देश इस लक्ष्य को समय से पहले हासिल कर सकता है। शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य के तहत भारत को 2070 तक शतप्रतिशत अक्षय ऊर्जा की ओर स्थानांतरित होना है। पुरी ने सोमवार को यहां 26वीं ऊर्जा प्रौद्योगिकी बैठक को संबोधित करते हुए कहा, "2070 तक हमारा शुद्ध शून्य लक्ष्य थोड़ा अधिक लंबा है। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से ऊर्जा बदलाव की दिशा में आगे बढ़ रहा है। गेल, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और अन्य ने ऊर्जा बदलाव के लिए 2035 से 2040 का लक्ष्य रखा है।

क्या आप चाहते हैं कि तेलंगाना मजलिस के इशारों पर चले, शाह ने केसीआर पर साधा निशाना

एजेन्सी

अमरावती। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने अपने पिछले 10 वर्ष के शासनकाल में कभी गरीबों के लिए काम नहीं किया, बल्कि केवल इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि अपने बेटे के.टी. रामाराव को राज्य का मुख्यमंत्री कैसे बनाया जाए। शाह ने यहां जनसभा में आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने आदिवासियों के लिए डबल बेडरूम आवास जैसे चुनावी वादे पूरे नहीं किए। शाह ने कहा, केसीआर का लक्ष्य केवल अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना है। लेकिन भाजपा का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि आदिलाबाद के प्रत्येक आदिवासी को शिक्षा, नौकरी और किसानों को जल मिले। मुख्यमंत्री राव को केसीआर के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने कहा, आपके पास दो विकल्प हैं। एक केसीआर सरकार है जो अपने बेटे और बेटी के बारे में सोचती है और दूसरी तरफ आपके पास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं जो दलितों, गरीबों और आदिवासियों के बारे में सोचते हैं। शाह ने कहा कि तेलंगाना को डबल इंजन सरकार की जरूरत है यानी केंद्र के साथ–साथ राज्य में भी मोदी सरकार। उन्होंने विश्वास जताया कि 30 नवंबर को चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा तेलंगाना में सरकार बनाएगी। शाह ने आरोप लगाया कि तेलंगाना किसानों की आत्महत्या और महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराध में नंबर एक बन गया है। उन्होंने यह आरोप भी दोहराया कि ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहाद–उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के पास केसीआर की कार का स्टीयरिंग है। सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी का चुनाव चिन्ह कार है। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर सरकार मजलिस (एआईएमआईएम) के इशारे पर चल रही है।शाह ने पूछा, क्या आप चाहते हैं कि तेलंगाना मजलिस के निर्देशों पर चले? उन्होंने लोगों से केसीआर सरकार को हटाने और भाजपा सरकार को चुनने की अपील की। शाह ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने पहले अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में देरी की थी। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी ने मंदिर के निर्माण की पहल की और भव्य मंदिर जनवरी, 2024 तक तैयार हो जाएगा।

नए मकानों की आपूर्ति में सस्ते घरों की हिस्सेदारी घटकर 18: पर आई : एनारॉक

एजेन्सी

नयी दिल्ली। बिल्डर अब 40 लाख रुपए या इससे कम कीमत के मकानों की पेशकश में कमी ला रहे हैं। एनारॉक की रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की जुलाई–सितंबर तिमाही में देश के सात प्रमुख शहरों में नए घरों की पेशकश में सस्ते या किफायती मकानों का हिस्सा घटकर मात्र 18 प्रतिशत रह गया है। जुलाई–सितंबर 2018 में कुल नए मकानों की पेशकश में सस्ते घरों की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत थी। एनारॉक के सात प्रमुख शहरों पर आंकड़ों के अनुसार, जुलाई–सितंबर 2023 के दौरान नए घरों की कुल आपूर्ति 1,16,220 इकाई रही। इसमें सस्ते या किफायती घरों का हिस्सा 20,920 इकाई या 18 प्रतिशत रहा। जुलाई–सितंबर 2018 में नए घरों की कुल आपूर्ति 52,120 इकाई थी, जिनमें से 21,900 (42 प्रतिशत) किफायती घर थे। वित्त वर्ष 2019 की तीसरी तिमाही में नई आपूर्ति में सस्ते घरों की हिस्सेदारी 41 प्रतिशत थी, जो 2021 की तीसरी तिमाही में घटकर 24 प्रतिशत रह गई। एनारॉक की रिपोर्ट में सात शहरों...दिल्ली–एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे के आंकड़ों को शामिल किया गया है। माना जा रहा है कि बिल्डर अब अधिक मुनाफा कमाने के लिए लक्जरी आवासीय परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सस्ते मकानों में मुनाफे का मार्जिन भी कम रहता है। इसके अलावा जमीन की ऊंची लागत की वजह से आज किफायती आवासीय परियोजनाएं बिल्डरों के लिए आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं रह गई हैं। एनारॉक ने कहा कि जहां कुल नई आपूर्ति में किफायती घरों की हिस्सेदारी कम हो रही है, वहीं 1.5 करोड़ रुपए से अधिक कीमत वाले लक्जरी घरों की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ रही है। वास्तव में पिछले पांच साल में यह तीन गुना हो गई है। शीर्ष सात शहरों में जुलाई–सितंबर में पेश की गई 1,16,220 इकाइयों में से 27 प्रतिशत (31,180 इकाइयां) लक्जरी श्रेणी में थीं। एनारॉक ने कहा, "यह पिछले पांच साल में लक्जरी मकानों की आपूर्ति का सबसे ऊंचा आंकड़ा है।

जगन्नाथ पुरी जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए निर्देश जारी, फटे जीन्स, स्कर्ट और स्लीवलेस कपड़े पहनने पर लगाई रोक

एजेन्सी

पुरी ओडिशा के पुरी में स्थित प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर में अब कोई भी श्रद्धालु फटी जीन्स, बिना आस्तीन वाले वस्त्र और हाफ पैंट पहन कर प्रवेश नहीं कर सकेगा। 12वीं सदी के इस मंदिर में एक जनवरी से श्रद्धालुओं के लिए ड्रेस कोड लागू हो जाएगा। मंदिर प्रशासन ने कहा है कि मंदिर समुद्री तट या पार्क नहीं है, मंदिर में भगवान रहते हैं, ये कोई मनोरंजन स्थल नहीं है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के प्रमुख रंजन कुमार दास ने कहा, मंदिर की गरिमा और पवित्रता बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। दुर्भाग्यवश, कुछ लोग दूसरों लोगों की धार्मिक भावनाओं की परवाह किए बिना मंदिर में आ जाते हैं। उन्होंने कहा, कुछ लोगों को मंदिर में फटी जीन्स, बिना आस्तीन वाले वस्त्र और हाफ पैंट पहने देखा गया मानो ये लोग समुद्री तट या पार्क में घूम रहे हों। मंदिर में भगवान रहते हैं, मंदिर मनोरंजन का कोई स्थान नहीं है। उनके अनुसार, मंदिर में आने के लिए स्वीकृत पोशाकों पर निर्णय जल्द ही लिया जाएगा। मंदिर प्रशासन के अधिकारियों ने इसके साथ ही यह भी बताया कि मंदिर के शसिंह द्वारश पर तैनात सुरक्षा कर्मियों और मंदिर के अंदर प्रतिहारी सेवकों को ड्रेस कोड लागू करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने सोमवार को बताया कि मंदिर में कुछ लोगों को अशोभनीय पोशाक में देखे जाने के बाद नीति उप–समिति की बैठक में श्रद्धालुओं के लिए 'ड्रेस कोड लागू करने का निर्णय लिया गया।

आदित्य ठाकरे ने चुनाव आयोग से पूछा, महाराष्ट्र में उपचुनाव क्यों नहीं

एजेन्सी

नागपुर पूर्व मंत्री और शिवसेना के युवा नेता आदित्य ठाकरे ने सोमवार को चुनाव आयोग से पूछा कि वह महाराष्ट्र में दो लोकसभा सीटों के लिए उपचुनाव क्यों नहीं करा रहा है। आयोग ने सोमवार को पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा की। उद्धव ठाकरे के मंत्रिमंडल में मंत्री रहे ठाकरे ने कहा कि चुनाव आयोग पांच राज्यों की विधानसभाओं के लिए चुनाव की तारीखों की घोषणा करते समय इन दोनों लोकसभा उपचुनावों को भी एक साथ जोड़ सकता था।

अजित पवार ने खुद को राकांपा का अध्यक्ष बताया, शिंदे सरकार में शामिल होने के कदम का बचाव किया

एजेन्सी

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के भीतर विभाजन पर निर्वाचन आयोग की सुनवाई के बीच, बगावती गुट के प्रमुख अजीत पवार ने मंगलवार को खुद को राकांपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताया और एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल होने के अपने कदम का बचाव किया। अजित पवार ने कहा कि राज्य के राजनीतिक इतिहास में कई शीर्ष राजनेताओं ने अतीत में "अलग रुख अपनाया था। अजित पवार ने आठ अन्य राकांपा विधायकों के साथ शिवसेना–भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार में शामिल होने के बाद दो जुलाई को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उन्होंने उपमुख्यमंत्री के रूप में मंगलवार को 100 दिन का कार्यकाल पूरा किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार समाज के सभी वर्गों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राकांपा इस लक्ष्य को हासिल करने

के लिए पूरी लगन से कार्यरत है। स्वयं को राकांपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताते हुए अजित पवार ने एक बयान में कहा कि रोजगार, समाज के सभी वर्गों का आर्थिक सशक्तीकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और सभी कल्याणकारी योजनाओं का कार्यान्वयन राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, "राकांपा सत्ता के माध्यम से इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। आलोचना किसी भी राजनेता के जीवन का अभिन्न अंग है। मैं हमेशा रचनात्मक आलोचना का संज्ञान लेता हूं। मैं सकारात्मक और विकासात्मक राजनीति में विश्वास करता हूं। मेरा भरोसा किसी भी काम को उसके तार्किक अंत तक ले जाने और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में है। अजित पवार ने कहा, "राकांपा छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा फुले, शाहू महाराज, डॉ बी.आर. आंबेडकर और यशवंतराव चव्हाण के आदर्शों में विश्वास करती है। मेरे नेतृत्व में पार्टी इस विरासत को जारी रखेगी।

सम्पादकीय

सुलगता मध्यपूर्व

यूं तो इस्राइल–फिलिस्तीन के बीच पिछली सदी से चला आ रहा संघर्ष एक ऐसा संकट है जिसका कोई ओर–छोर नजर नहीं आता। लेकिन गत शनिवार को फिलिस्तीनी आतंकी संगठन हमास ने जिस क्रूरता से भयावह हमला इस्राइल की संप्रभुता को रौंदते हुए किया, उससे मानवता शर्मसार हुई है। निस्संदेह, यह एक आतंकी हमला था जिसमें सामूहिक हत्याएं हुई व महिला–पुरुषों को अपहृत किया गया। ये घटनाक्रम जहां अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है, वहीं इंसानियत को शर्मसार करने वाला भी है। लेकिन खाड़ी में वर्चस्व की जंग व धार्मिक अस्मिताओं के चलते यदि यह विवाद तूल पकड़ता है तो परिणाम पूरी दुनिया के लिये घातक होंगे। क्षेत्र में युद्ध जैसे हालात के चलते कच्चे तेल के दामों में वृद्धि हुई है, जिसका असर पूरी दुनिया पर होना हैं। वहीं इस संकट के चलते मध्यपूर्व में अमेरिकी हस्तक्षेप की संभावनाओं को भी विस्तार मिला है, जिसने इस्राइली हितों की पूर्ति के लिये एक समुद्री युद्धपोत भेजा है। लेबनान में सक्रिय अन्य इस्लामी मिलिटेंट ग्रुप हिजबुल्ला का इस्राइल पर मोर्टार से हमला हालात के चिंताजनक होने की ओर इशारा कर रहा है। वहीं फिलिस्तीनी आतंकी गुट हमास के समर्थन में ईरान के खुलकर आने के बाद क्षेत्र में तनाव में वृद्धि हुई है। यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को कहना पड़ा कि इस्राइल का विरोधी कोई देश मौके का फायदा उठाने का प्रयास न करे। बहरहाल, ऐसे वक्त में जब एक साल से अधिक समय से रूस–यूक्रेन युद्ध जारी है, चिंता बढ़ गई है कि इस्राइल–हमास संघर्ष का तनाव अन्य देशों के साथ युद्ध में तब्दील न हो जाए। वहीं दूसरी ओर इस हमले को आतंकी हमला मानते हुए भारत ने इस्राइल के पक्ष में एकजुटता जाहिर की है। विगत में भारत भी ऐसे ही आतंकी हमलों से दो–चार हुआ है। दूसरी ओर हाल के वर्षों में भारत के इस्राइल के साथ संबंध खासे गहरे हुए हैं।वहीं अंतर्राष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ मानते हैं कि हाल के वर्षों में सऊदी अरब समेत अन्य देशों से इस्राइल के सामान्य होते रिश्तों को पटरी से उतारने के मकसद से हमास ने इस्राइल पर हमला बोला है। ताकि अल–अक्सा मस्जिद व अन्य धार्मिक मुद्दों के आधार पर मध्यपूर्व में ध्रुवीकरण किया जा सके। बहरहाल हमास के हमलों के बाद फिलिस्तीनी इलाके गाजा पट्टी व अन्य इलाकों में इस्राइल के हमले जारी हैं। इस्राइल के सामने हमास द्वारा बंधक बनाये गये अपने नागरिकों को छुड़ाने की चुनौती भी है। जाहिर है हमास इन इस्राइलियों को एक ढाल के तौर पर इस्तेमाल करेगा। उसकी कोशिश होगी कि इस्राइल की जेलों में बंद हजारों फिलिस्तीनी बंधकों की रिहाई के लिये सौदेबाजी की जा सके। वहीं इस्राइल के भीतर हमलों को रोक पाने में सरकार की विफलता को लेकर भी रोष है। कहा जा रहा है कि इस सुनियोजित हमले की भनक दुनिया में विख्यात इस्राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद को क्यों नहीं लगी। जबकि यह हमला एक लंबी तैयारी का ही परिणाम बताया जा रहा है। बहरहाल, दुनिया के जिम्मेदार देशों को कोशिश करनी चाहिए कि यह टकराव किसी बड़े संघर्ष में तब्दील न हो जाए। वहीं कुछ जानकारों का कहना है कि हमास का यह हमला ईरान व इस्राइल के लगातार खराब होते संबंधों की प्रतिक्रिया है। साथ ही इस्लामिक जगत के नेतृत्व की दावेदारी करने वाला ईरान यह संदेश देने का प्रयास कर रहा है कि जहां सऊदी अरब इस्राइल से संबंध सामान्य बना रहा है, वहीं ईरान उसके खिलाफ खड़े होकर हमास को समर्थन दे रहा है। ऐसे में उम्मीद है कि सऊदी अरब यह संदेश देने का प्रयास करेगा कि वह फिलिस्तीन के अधिकारों के पक्ष में तो है मगर आतंकवाद के खिलाफ है। तभी उसने तनाव को खत्म करके नागरिकों की सुरक्षा के लिये संयम अपनाने की बात कही है। साथ ही फिलिस्तीनियों के वाजिब अधिकारों की वकालत की है। बहरहाल, हमास के हमले से दुनिया में फिलिस्तीन समस्या के दो–राष्ट्र समाधान की कोशिशों को झटका लगेगा। इस्राइल की कोशिश होगी कि वह दुनिया में अपनी कार्रवाई को आतंकवाद के खिलाफ जवाबी कार्रवाई बताए।

बेहद अहम हैं ये विधानसभा चुनाव

केन्द्रीय निर्वाचन आयोग द्वारा सोमवार को जिन 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों की घोषणा की गई है वे अनेक मायनों में महत्वपूर्ण हैं। राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम के विभिन्न चरणों में घोषित किये गये इन चुनावों को एक तरह से देश के सबसे बड़े सियासी टूर्नामेंट यानी लोकसभा चुनाव–2024 के सेमी फाइनल के रूप में देखा जा रहा है। दो बार केन्द्र में सरकार बनाने वाली भारतीय जनता पार्टी, खासकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिये अगला चुनाव तो चुनौतीपूर्ण माना ही जा रहा है, मौजूदा सियासी हालात में ये विधानसभा चुनाव भी उनके लिये कोई कम तकलीफदेह नहीं साबित होने जा रहे हैं। पिछले दो लोकसभा चुनावों में बिखरे हुए विपक्ष का फायदा उठाते हुए भाजपा ने बड़ी जीतें दर्ज की थीं, लेकिन अब वैसी स्थिति नहीं रह गयी है। 28 दलों ने इंडियाश (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूजिव एलाएंस) के नाम से जो संयुक्त प्रतिपक्ष बनाया है, उसका असर लोकसभा चुनावों में तो दिखेगा ही, विधानसभा चुनावों में कांग्रेस बढ़े हुए नैतिक बल के साथ पांचों प्रदेश के चुनावी मैदान में उतरेगी क्योंकि उसी के नेतृत्व में यह गठबन्धन बना है। फिर, सभी राज्यों में वही मुख्य प्रतिद्वंद्वी है। राजस्थान, छग, मप्र व मिजोरम में तो वह पहले से ही मुकाबले में थी, तेलंगाना में भी अब मुख्य मुकाबला सत्तारुढ़ भारत राष्ट्रीय समिति एवं कांग्रेस के ही बीच का हो गया है। इस जगह पर पहले भाजपा थी पर अब उसकी स्थिति तीसरे नंबर पर बताई जा रही है। राजस्थान एवं छग में तो उसी की सरकारें हैं, मप्र में भी 2018 का चुनाव कांग्रेस ने जीता था लेकिन भाजपा ने दलबदल कराकर बहुमत का जुगाड़ कर लिया था और सूबे की सत्ता हथिया ली थी। इन पांच राज्यों के चुनाव इसलिये भी बहुत महत्वपूर्ण हो गये हैं क्योंकि ऐसा माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में जीत का रास्ता इसी पर से होकर खुलेगा। भाजपा की घबराहट इसलिये है क्योंकि वह पिछले दो विधानसभा चुनाव हार चुकी है– हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक के। दोनों ही राज्य उसने कांग्रेस के हाथों गंवाए हैं। कर्नाटक में कांग्रेस ने ही पिछले यानी 2018 के चुनाव में जीत दर्ज की थी लेकिन कई राज्यों की तरह विरोधी दलों के विधायकों को येन केन प्रकारेण अपने खेमे में लाकर भाजपा ने यहां सरकार बना ली थी। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश की घोसी विधानसभा सीट भी भाजपा ने उपचुनाव में इंडिया गठबन्धन के प्रत्याशी के आगे खोई है। यह ऐसा चुनाव होने जा रहा है जिसमें सभी राज्यों में भाजपा की परेशानियों के अलग–अलग सबब हैं लेकिन प्रकारान्तर से जो कॉमन फैक्टर्स हैं, उनमें दो–तीन तो बड़े साफ हैं। पहला तो यह है कि मोदी का चेहरा किसी भी राज्य में अब खुद भाजपा के लिये स्वीकार्य नहीं रह गया है क्योंकि वे कर्नाटक एवं हिमाचल प्रदेश में इसकी दुर्गति देख चुके हैं। दूसरे, कम से कम मप्र, छत्तीसगढ़ एवं राजस्थान में वह बेहद विभाजित दिख रही है और तीनों ही जगहों पर उसके पास मोदी नहीं तो कौन? वाला मसला है।

मध्यप्रदेश में मोदी की नाराजगी वर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ इस कदर है कि अपनी पिछली तीन चुनावी सभाओं में उन्हें चौहान का नाम लेना तक गवारा नहीं हुआ और न ही उन्होंने सरकार के किसी काम या उपलब्धियों का जिक्र तक किया। साथ ही, भाजपा के 7 सांसदों को विधायकी का टिकट दिया गया है जिससे जनता में साफ संदेश गया है कि अगर पार्टी यहां जीत हासिल करती है, जिसकी सम्भावना न के बराबर बतलाई जाती है, तो सीएम पद के लिये और हारती है (जिसके पूरे–पूरे लक्षण हैं) और नेता प्रतिपक्ष के लिये सिर फुटौव्वल तय है। ऐसे ही, राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया भी हाशिये पर डाल दी गई हैं। जहां तक छत्तीसगढ़ की बात है, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह चुनाव तो लड़ रहे हैं लेकिन उन्हें अब तक सीएम का चेहरा घोषित नहीं किया गया है। यहां भी कुछ सांसद चुनाव लड़ रहे हैं। वैसे यहां भाजपा को काफी मेहनत की जरूरत है। इन चुनावों में भाजपा के सामने मुद्दों का भी अभाव है। कर्नाटक में उसका पहले कई बार का आजमाया व सफल हुआ ध्रुवीकरण का दांव बेकार हो चुका है, जो उसके लिये चिंता की बात है। अपने करीब चार वर्षों के शासनकाल में उस राज्य में हिजाब से लेकर ऐन चुनाव के पहले तक बजरंगबली का खेल खेलने की कोशिश जरूर हुई परन्तु जनता ने उसे नकार दिया। इसके विपरीत कन्नड़ जनता ने कांग्रेस के सशक्तिकरण के रास्ते को पसंद किया। राजस्थान व छत्तीसगढ़ में जिस तरीके से जमीनी मुद्दों को सरकारों ने तरजीह दी है और लोगों का सशक्तिकरण किया है, वह सारा कुछ लोगों के ध्यान में आ रहा है। राजस्थान में पुरानी पेंशन योजना की बहाली तथा सस्ते सिलेंडरों की सप्लाई से लेकर छग में न्याय योजनाओं की सफलता, किसानों को उनके उत्पादों का बेहतर न्यूनतम समर्थन मूल्य आदि जैसे कदम भी लोगों को भा रहे हैं। उधर मप्र में प्रशासकीय असफलताओं से चौहान की दिक्कतें काफी बढ़ी हैं। इन राज्यों में सीधा मुकाबला भाजपा व कांग्रेस के बीच होने से कांग्रेस को कर्नाटक व हिप्र की तरह का फायदा मिल सकता है। कुछ छोटे दल भी चुनाव लड़ रहे हैं लेकिन लगता नहीं कि उनसे भाजपा को कोई फायदा मिल सकेगा क्योंकि अब मतदाता इस पर बहुत ध्यान नहीं दे रहे हैं। भाजपा व उसके समर्थकों की इसे अंतर्विरोध बतलाने की कोशिशें भी नाकाम हो रही हैं। वे जानते हैं कि इंडिया गठबन्धन लोकसभा के लिये है।

एशियाई खेलों में 'हाकी स्वर्ण

आदित्य नारायण

एशियाई खेलों में 'हाकी स्वर्ण' भारत हाकी के जादूगर 'मेजर ध्यान चन्द' का देश है जिन्होंने अपने खेल कौशल से अपने जमाने में पूरी दुनिया के खेल प्रेमियों को चौंका दिया था और सिद्ध किया था कि भारतीय उप महाद्वीप की जमीन से उपजी हाकी में भारतीयों के रणकौशल को दुनिया के दूसरे देश आसानी से चुनौती नहीं दे सकते हैं। चीन में चल रहे एशियाई खेलों में भारत ने इस बार हाकी में स्वर्ण पदक जीत कर पुराने गौरव को लौटाने का प्रयास किया है परन्तु अभी इसके सामने 'पेरिस ओलिम्पिक' खेलों की मंजिल है जिसे पार करके इसे अपनी प्रतिष्ठा को स्थापित करना होगा। हाकी के साथ ही भारत ने एशियाई खेलों में इस बार पदक जीतने की झड़ी लगा दी है और इस बार यह संख्या 107 को छू गई है। भारत कुल 107 पदक जीत कर चौथे नम्बर पर पहुंचा है परन्तु यह रिकार्ड 1962 के जकार्ता एशियाई खेलों से एक पायदान नीचे हैं जब भारत सभी देशों में तीसरे स्थान पर था। एशियाई खेलों का भारत के सन्दर्भ में विशेष महत्व है क्योंकि इनकी शुरूआत भारत ने ही आजादी मिलते ही कराई थी और प्रथम प्रधानमन्त्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने राष्ट्रमंडलीय खेलों के मुकाबले यह खेल महोत्सव साम्राज्यावाद के निशानों से बाहर आने की प्रेरणा के तहत प्रारम्भ किया था। पहले एशियाई खेल दिल्ली में हुए थे और उस समय भारत जैसे गरीब देश के लिए इनका आयोजन करना एक अजूबा माना जा रहा था। इनका आयोजन राष्ट्रमंडल खेलों के मुकाबले में जानबूझ कर किया गया था क्योंकि राष्ट्रमंडल खेलों में केवल वे देश ही शामिल होते हैं जो कभी न कभी ब्रिटिश साम्राज्य का हिस्सा रहे हैं अतः पं. नेहरू ने एशिया महाद्वीप की खेल प्रतिभा को चमकाने की दृष्टि से इनको शुरू कराया था। वर्तमान में एशियाई खेलों की प्रतिष्ठा ओलिम्पिक खेलों के बाद की जाती है जिसमें से प्रतिभावान खिलाड़ी निकल कर ओलिम्पिक खेलों में अपने

करतब दिखाते हैं। भारत ने जिस प्रकार एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में अपना दबदबा कायम किया है उससे यही सिद्ध होता है कि इस देश की माटी में जमीन से जुड़े खेलों में महारथ हासिल करने की प्रतिभा बिखरी पड़ी है केवल उसे पहचानने की जरूरत है। इनमें से अधिकतम खेल जन साधारण के खेल समझे जाते हैं जिनके साथ किसी प्रकार की शहरी चकाचौंध नहीं जुड़ी हुई है। चाहे तीरन्दाजी हो या कबड्डी, भाला फेंक हो या गोला फेंक सभी में भारतीय खिलाड़ियों का आगे आना बताता है कि भारत केवल 'क्रिकेट के बुखार' का देश ही नहीं है बल्कि यह मिट्टी से जन्मे खेलों की भी पुण्यभूमि बन सकती है। यदि वास्तव में देखा जाये तो क्रिकेट को निठल्लों का खेल कहा जाता है और इसका प्रचलन केवल ब्रिटिश दासता में रहे चन्द देशों में ही है जिसे अंग्रेजों ने 'जेंटलमैन गेम' से नवाज कर इसे ऊंचा रुतबा दिया परन्तु इस खेल में भी भारत की ग्रामीण पृष्ठभूमि से जिस तरह के प्रतिभावान खिलाड़ी उभर रहे हैं उनका संज्ञान लिया जाना चाहिए। पदकों का शतक बना लेने को निश्चित रूप से उपलब्धि कह सकते हैं परन्तु दक्षिण कोरिया व जापान जैसे भौगोलिक स्तर में इससे छोटे देश अभी भी हमसे ऊपर हैं अतः एशियाई देशों में इसका मुकाबला केवल चीन से ही बनता है और चीन को पछाड़ना ही भविष्य में लक्ष्य भी होना चाहिए। इसके साथ ही भारत की महिला खिलाड़ियों ने जिस प्रकार निशानेबाजी से लेकर घुड़सवारी तक में पदक जीते हैं उससे पता लगता है कि भारत की महिलाएं भी खेल की हर विधा में अपना कौशल दिखा सकती हैं। भारत ने इन खेलों में कुल 635 खिलाडिय्यों व प्रशिक्षकों व सहायक कर्मियों का दल भेजा था। इन सभी के समन्वित प्रयास से भारत यह गौरव हासिल करने में समर्थ हुआ है अतः सभी सदस्य सम्मान के पात्र हैं परन्तु हाकी में स्वर्ण पदक जीतना भारत के लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि 1962 तक यह निर्विवाद रूप से ओलिम्पिक चौम्पियन रहा था परन्तु इस वर्ष हुए तोक्यो ओलिम्पिक में इससे यह गौरव पाकिस्तान ने छीन लिया था परन्तु इसके बाद तो यूरोपीय देशों यथा जर्मनी आदि तक ने स्वर्ण पदक प्राप्त करने में सफलता हासिल कर ली जिससे हाकी से भारतीय उपमहाद्वीप का दबदबा समाप्त हो गया। इसके बावजूद बीच–बीच में ओलिम्पिक खेलों में भारत स्वर्ण पदक जीतता रहा मगर अपना अधिपत्य कायम नहीं रख सका। एशियाई खेलों को हमें सफलता का प्रथम चरण समझना चाहिए और लक्ष्य ओलिम्पिक खेलों पर होना चाहिए क्योंकि भारत अब दुनिया का सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन चुका है। अतः यह बेवजह नहीं है कि एशियाई खेलों में भारतीय दल के मुखिया भूपेन्द्र सिंह बाजवा ने कहा कि अब हमारी निगाह 'पेरिस खेलों' की तरफ रहेगी और भारतीय खिलाड़ी कुछ दिन आराम करने के बाद उसकी तैयारी में जुट जायेंगे। जरूरत इस बात की भी है कि हाकी की तरह फुटबाल को भी भारत में लोकप्रिय बनाने के प्रयास जमीनी स्तर से शुरू हों क्योंकि भारत की जमीन से उपजे खेलों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि ये खिलाड़ियों के शरीर को हष्ट–पुष्ट रखने के साथ ही मानसिक रूप से भी उनमें आगे बढ़ने का बल प्रदान करते हैं। कुल मिला कर एशियाई खेलों में भारत का प्रदर्शन प्रशंसनीय रहा है और इस विधा में पूर्ण पारंगत होने का मार्ग प्रशस्त करता दिखता है। इस बार जितनी पदक संख्या भारत ने जीती है वह पांच साल पहले हुए जकार्ता खेलों के 70 रिकार्ड के मुकाबले काफी अधिक है परन्तु अभी इसे शीर्ष पर पहुंचना है और चीन को पछाड़ना है।

एक और महायुद्ध

सात साल बाद एक बार फिर इजराइल और फिलिस्तीन में जंग छिड़ गई है। यह जंग महायुद्ध का रूप धारण कर सकती है। इसे लेकर वैश्विक स्तर पर प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। हमास के हमले के बाद लेबनान के आतंकी समूह हिज्बुल्ला ने भी इजराइल पर हमला कर दिया है। इजराइल के जवाबी हमलों ने तबाही मचानी शुरू कर दी है। दुनिया फिर दो खेमों में बंटती दिखाई दे रही है। वर्ष 2014 में दोनों के बीच युद्ध हुआ था जो 50 दिन तक चला था। बड़ी संख्या में निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं। राकेटों के हमलों से इमारतें ध्वस्त हो रही हैं। मानवता क्रंदन कर रही है। अब तक 700 लोगों की जानें जा चुकी हैं। धमाकों के बाद गाजा पट्टी और अन्य इलाकों में धुएं के गुब्बार उठ रहे हैं। फिलिस्तीन की धरती पर इजराइल की स्थापना शुरू से विवाद का विषय रही है। अरब के विरोध के बीच 14 मई 1948 को यहूदी नेताओं ने इजराइल राष्ट्र के गठन का ऐलान किया और अंग्रेज यहां से चले गए। इसके बाद से ही इजराइल–अरब युद्ध होते रहे। 75 वर्षों में इजराइल ने न केवल अपने दुश्मनों से युद्ध लड़े, बल्कि फिलिस्तीनी इलाकों में विद्रोह से भी निपटा है। इजराइल इस समय दुनिया का सबसे ताकतवर देश है। कोई भी उसकी सामरिक शक्ति का मुकाबला नहीं कर सकता। उसे उम्मीद भी नहीं होगी कि हमास उस पर इतना बड़ा हमला कर कोहराम मचा सकता है। हमास ने गाजा पट्टी से इजराइल पर कम से कम 5 हजार राकेट दागे। इसमें अधिकतर राकेटों को इजराइली मिसाइल डिफैंस ने हवा में ही मार गिराया। यह हमला इतना तेज था कि इजराइली सीमांत सुरक्षा बलों को संभलने का मौका ही नहीं मिला। इसमें कोई संदेह नहीं कि इजराइली सेना अब इंतकाम लेने पर उतारू है लेकिन हैरानी की बात यह है कि हमास के आतंकी धरती, आसमान और पानी के जरिए इजराइल में घुसने में कामयाब हो गए। फिलिस्तीन के अलग–अलग इलाकों में कई इजराइली खुफिया एजैंसियां आपरेट करती हैं।

इनमें मिलिट्री इंटेलिजेंस डायरेक्टरेट, शिन बेट और कुछ मामलों में मोसाद भी शामिल होती है। मोसाद को दुनिया की सबसे ताकतवर इंटेलिजेंस एजैंसी माना जाता है। इसने पूरी दुनिया में इजराइल के दुश्मनों को ढूंढ–ढूंढकर मारा है। इतना ही नहीं, जो काम अमेरिका तक नहीं कर सका उसे मोसाद ने अंजाम दिया है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि मोसाद को आखिर हमास के इतने बड़े हमले की प्लानिंग की भनक क्यों नहीं लगी। इजराइली सेना की तुलना में हमास एक कमजोर और असंगठित संगठन है जिससे मोसाद के लिए अंदरुनी खबरें निकालना आसान होता है। हमास गाजा पट्टी में सक्रिय सबसे बड़ा आतंकवादी संगठन है। इसका सिर्फ एक दुश्मन है, और वो इजराइल है। हमास को पैसा मुख्य रूप से इस्लामी देशों से मिलता है। इसमें सबसे बड़ा दानदाता देश कतर है। इसके अलावा हमास फिलिस्तीन के विकास के लिए मिले पैसों का भी अपने काम के लिए इस्तेमाल करता है। हमास को ये पैसा सऊदी अरब, ईरान और दूसरे अरब देशों से मिलता है। पाकिस्तान भी परोक्ष रूप से हमास की मदद करता है। कई ऐसी रिपोर्ट्स हैं कि हमास के आतंकवादियों को पाकिस्तानी सेना भी ट्रेनिंग देती है। फिलिस्तीन ताकत बटोर कर हमला किया ताघ्क वह इजराइल के 'अवैध कब्जों' के मुद्दे पर पुरी दुनिया को केंघ्द्रत कर सकें। इजराइल और फिलिस्तीनियों के बीच यह जंग राजनीतिक नहीं है। यह एक धर्मयुद्ध है। दोनों देशों के बीच अल–अक्सा मस्जिद है जिसे इजराइल टैंपल माउंट मानता है। यहूदियों का कहना है कि जिस जगह पर आज अल–अक्सा मस्जिद है वहां कभी उनका मंदिर था, जिसे मुसलमानों ने खंडित करके मस्जिद बना दी, अगर ऐतिहासिक तथ्यों को स्वीकार करें तो 957 ई. पूर्व साल पहले यहूदियों ने यरूशलम में अपना पहला यहूदी मंदिर बनवाया था। इसके बाद उन्होंने अपना दूसरा यहूदी मंदिर टैंपल माऊंट लगभग 352 ई. पूर्व में बनवाया था जिसे रोमन साम्राज्य ने पहली सदी में तबाह कर दिया। काफी समय के बाद लगभग सातवीं शताब्दी में यरूशलम में मुस्लिम आक्रमण हुआ और मुस्लिमों ने उसके मंदिरों को खंडित कर दिया। अल–अक्सा मस्जिद यहूदियों और मुस्लिमों के लिए एक पवित्र स्थल है इसलिए यह दोनों में संघर्ष के भावनात्मक केन्द्र में बना हुआ है। यहूदी लोग इस मस्जिद की पश्चिमी दीवार को पूजते हैं। मुस्लिमों का मानना है कि सातवीं शताब्दी में देवदूत जिब्राइल के साथ पैगबंर हजरत मोहम्मद अल–अक्सा मस्जिद में पहंचे थे। शुरूआत में मुस्लिम इसी मस्जिद की ओर मंह करके नमाज पढ़ा करते थे बाद में वे मक्का के काबा की तरफ होकर नमाज पढ़ने लगे वहीं इस जगह से इसाई धर्म का भी गहरा जुड़ाव है। पश्चिमी दीवार और अल–अक्सा मस्जिद के साथ ईसाइयों की सबसे पवित्र जगह भी यहां पर स्थित है। इसी जगह पर ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया था। यहूदी, इस्लाम और इसाई तीनों धर्मों का इस जगह से गहरा नाता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि फिलिस्तीन इजराइल के मुकाबले कम शक्तिशाली है।

बंटवारे के बुजुर्गों को वीजा दें

आज के माहौल में जब सांप्रदायिकता की आग में दुनिया के कई देश झुलस रहे हैं तब भारत और पाकिस्तान की सरकार का यह मानवीय कदम अंतरराष्ट्रीय मिसाल बन सकता है। इससे समाज में नई चेतना का विस्तार हो सकता है क्योंकि आज मीडिया और राजनेता चाहें सरहद के इस पार हों या उस पार सांप्रदायिक आग भड़काने का काम कर रहे हैं। ऐसे में दोनों मुल्कों की नई पीढ़ी जब इन बुजुर्गों से विभाजन के पूर्व के माहौल की कहानियां सुनेगी तो उसकी आंखें खुलेंगी क्योंकि उस दौर में हिन्दू सिक्ख और मुसलमानों के बीच कोई भी वैमनस्य नहीं था। सब एक दूसरे के गम और खुशी में दिल से शामिल होते थे और एक दूसरे की मदद करने को हर वक्त तैयार रहते थे।

विनीत नारायण

अजादी मिले ७५ साल हो गए। उस वक्त के चश्मदीद गवाह बच्चे या जवान आज ८० साल से लेकर १०० की उम्र के होंगें जो इधर भी हैं और उधर भी। बंटवारे की सबसे ज्यादा मार पंजाब ने सही। ये बुजुर्ग आज तक उस खूनी दौर को याद करके सिहर जाते हैं। भारत के हिस्से में आए पंजाब से मुसलमानों का पलायन पाकिस्तान की तरफ हुआ और पाकिस्तान में रह रहे सिक्खों और हिन्दुओं का पलायन भारत की तरफ हुआ। ऐसा कोई परिवार नहीं है जिसने अपने घर के दर्जनों बच्चें बूढ़े और औरतों को अपनी आंखों के सामने कत्ल होते न देखा हो। इस कत्लेआम में जो बच गएं वो आज तक अपने सगेदृसंबंधियों को याद कर फूटदृफूट कर रोते हैं। दोनों मुल्कों में मिला कर ऐसे लोगों की संख्या कुछ हजारों में है। ६ जब से करतारपुर साहिब कॉरिडोर खुला है तब से अब तक सैकड़ों ऐसे परिवार हैं जो ७० साल बाद अपने बिछड़े परिवार जनों से मिल पाए हैं पर यह मुलाकात कुछ घंटों की ही होती है और इसके पीछे उन नौजवानों की मशक्कत है जो दोनों ओर के पंजाब में ऐसे बुजुर्गों के इंटरव्यू यूट्यूब पर डाल कर उन्हें मिलाने का काम कर रहे हैं। प्रायः ऐसे सारे इंटरव्यू ठेठ पंजाबी में होते हैं। आप ध्यान से सुनें तो उनकी भाषा में ही नहीं उनकी आंखों और चेहरे का दर्द देख कर आपके आंसू थमेंगे नहीं। करतारपुर साहिब में जब इन परिवारों की ३दृ४ पीढ़ियां मिलती हैं तो उनका मिलन इतना दयविदारक होता है कि आसमान भी रो दे।

एक ही परिवार के आधे सदस्य इधर के सिक्ख बने और उधर के मुसलमान बने। इन सब बुजुर्गों और इनके परिवारों की एक ही तमन्ना होती है कि दोनों देशों की सरकारें कम से कम इन बुजुर्गों को लंबी अवधि के वीजा दे दें जिससे ये एक दूसरे के मुल्क में जा कर अपने बिछड़े परिवारों के साथ जिंदगी के आखिरी दौर में कुछ लम्हे बिता सकें जिसकी तड़प ये सात दशकों से अपने सीने में दबाए बैठे हैं। ६ हम सब जानते हैं कि नौकरशाही और राजनेता इतनी आसानी से पिघलने वाले नहीं। पर सोचने वाली बात यह है कि ८० वर्ष से ऊपर की उम्र वाला कोई बूढ़ा पुरुष या महिलाएं क्या किसी भी देश की सुरक्षा के लिए खतरा हो सकता हैघ् जिसने जिंदगी भर बंटवारे का दर्द सहा हो और हजारों लाखों बेगुनाह लोगों को मौत के घाट उतरते देखा हों वो उम्र के इस पड़ाव पर आतंकवादी कतई नहीं हो सकता। इसलिए दोनों देशों की सरकारों को ऐसे बुजुर्गों से आवेदन मांगने चाहिए और उन्हें अविलंब प्रोसेस करके एकदृदूसरे के मुल्क में जाने का कम से कम एक महीने का वीजा मुहैया करवाना चाहिए। आज के माहौल में जब सांप्रदायिकता की आग में दुनिया के कई देश झुलस रहे हैं तब भारत और पाकिस्तान की सरकार का यह मानवीय कदम अंतरराष्ट्रीय मिसाल बन सकता है। इससे समाज में नई चेतना का विस्तार हो सकता है क्योंकि आज मीडिया और राजनेता चाहें सरहद के इस पार हों या उस पार सांप्रदायिक आग भड़काने का काम कर रहे हैं। ऐसे में दोनों मुल्कों की नई पीढ़ी जब इन बुजुर्गों से विभाजन के पूर्व के माहौल की कहानियां सुनेगी तो उसकी आंखें खुलेंगी क्योंकि उस दौर में हिन्दू सिक्ख और मुसलमानों के बीच कोई भी वैमनस्य नहीं था। सब एक दूसरे के गम और खुशी में दिल से शामिल होते थे और एक दूसरे की मदद करने को हर वक्त तैयार रहते थेघ्। विभाजन की कहानियां दिखाने वाले दोनों मुल्कों के इन यूट्यूब चौनलों पर जब आप इन बुजुर्गों की कहानियां सुनेंगे तो आपको आश्चर्य होगा कि इतनी प्यारदृमौहब्बत से रहने वाले इन लोगों के बीच ऐसी हैवानियत अचानक कैसे पैदा हो गई कि वो एक दूसरे के खून के प्यासे हो गएघ् ये बुजुर्ग बताते हैं कि माहौल को खराब करने का काम उस वक्त के फिरकापरस्त राजनैतिक संगठनों और उनके नेताओं ने किया जबकि आखिरी वक्त तक दोनों ओर के हिन्दू मुसलमान और सिक्खों इस तसल्ली से बैठे थे कि हुकूमत बदल जाएगी पर उनका वतन उनसे नहीं छिनेगा। जो अपने घरों दुकान और खेतदृखलिहान छोड़ कर भागे भी तो इस विश्वास के साथ कि अफरादृतफरी का यह दौर कुछ हफ्तों में शांत हो जाएगा और वे अपने घर लौट आएंगे।

पर यह हो न सका। उन्हें एक नये देश मों नये परिवेश मों नये पड़ोसियों के बीच शरणार्थी बन कर रहना पड़ा। जिनके घर दूधदृदही की नदियां बहती थीं उन्हें मेहनत करकों रेहड़ी लगा कर या खेतों में मजदूरी करके पेट पालना पड़ा। ६ इन लोगों के खौफनाक अनुभव पर दोनों मुल्कों में बहुत फिल्में बन चुकी हैं। लेख और उपन्यास लिखे जा चुके हैं और सद्भावना प्रतिनिधिमंडल भी एक दूसरे के देशों में आतेदृजाते रहे पर उन्होंने जो झेला वो इतना भयावह था कि उस पीढ़ी के जो लोग अभी भी जिंदा बचे हैं वो आज तक उस मंजर को याद कर नींद में घबरा कर जाग जाते हैं और फूटदृफूट कर रोने लगते हैं।

कई कहानियां ऐसी हैं जिनमें ८५ या ९० साल के बुजुर्ग अपने परिवारजनों के साथ अपने पैतृक गांवों शहर या घर देखने पाकिस्तान या भारत आते हैं। वहां पहुंचते ही इनका फूलों मालाओं और नगाड़ों से स्वागत होता है। वहां कभीदृकभी उन्हें हमउम्र साथी मिल जाते हैं। तब बचपन के बिछड़े ये दो यार एक दूसरे से लिपट कर फूटदृफूट कर रोते हैं। फिर इन्हें इनके बचपन का स्कूलों पड़ोस और इनका घर दिखाया जाता हैं जहां पहुंच कर ये अतीत की यादों में खो जाते हैं।

मानसिक रोगी तांत्रिकों के चंगुल में न फंसे : डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर कन्हाईपुर में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के व्यावहारिक मनोविज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह , असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव और असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अन्नू त्यागी द्वारा मंगलवार को कन्हईपूर, लाइन बाजार, जौनपुर में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का संचालन किया गया। इसके अंतर्गत पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान के छात्र एवं छात्राओं द्वारा सुव्यवस्थित नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा कर वहां के जनमानस को जागरूक किया गया। इसी क्रम में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर असिस्टेंट प्रोफेसर डा. जान्हवी श्रीवास्तव ने बताया कि जिस प्रकार शारीरिक बीमारी होती है ठीक उसी प्रकार मानसिक बीमारी भी होती है, परन्तु मानसिक बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को लोग पागल या भूतदृ प्रेत का प्रकोप मानते हैं और उपचार हेतु किसी बाबा (तांत्रिक) के चंगुल में बुरी तरह फंस जाते हैं । इससे आर्थिक और समय की हानि तो होती ही है साथ ही साथ मानसिक बीमारी और गंभीर रूप ले लेती है। फलतः पीड़ित व्यक्तियों को किसी तांत्रिक के पास न जाकर मनोचिकित्सक से परामर्शानुसार उचित इलाज करनी चाहिए। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अन्नू त्यागी ने कहा कि मानसिक बीमारी को छुपाए नहीं बल्कि खुलकर उस पर विचार करें । उन्होंने बताया कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय में व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग में परामर्श की सेवा उपलब्ध है पीड़ित व्यक्ति इसका लाभ उठा सकते हैं। नुक्कड़ नाटक से प्रभावित होकर कन्हाईपुर के सभासद निशि सोनकर और जयविजय सोनकर एवं वहां उपस्थित जनमानस ने छात्र–छात्राओं को अत्यधिक सराहा एवं गर्वान्वित किया। इसके पश्चात नुक्कड़ नाटक में शामिल कृति, भूमिका, प्रतिभा, पुष्पा, शिवांगी, शिवांश, संजीव, अविनाश, प्रभाकर, विकास, अनिकेत, सत्यप्रकाश, अभीष्ट प्रकाश, रेशमी, अकीदा, पूजा, कृष्णा, अंजू, दिव्या, सोनाली, प्रिया, सृष्टि ने सहृदय लोगों को धन्यवाद किया।

वृद्ध की सिर कूचकर निर्मम हत्या

सूचना पर पहुची पुलिस व फोरेंसिक टीम जांच पड़ताल में जुटी।

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नेवढ़िया थाना क्षेत्र के दीपापुर गाँव मे बीती रात डिंगुर शर्मा 80 वर्ष की ईट से सिर कूचकर हत्या कर दी गई।वही सूचना पर पहुची पुलिस शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आवश्यक कार्यवाही में जुट गई है।

थाना क्षेत्र के दीपापुर गाँव निवासी 80 वर्षीय डिंगुर शर्मा पुत्र स्व विश्वनाथ पुस्तैनी घर से लगभग 500 मीटर दूर अपने खेत मे एक टीनशेड का छोटा सा कमरा बनाकर अकेले रहते थे।वही बीती रात किसी अज्ञात हमलावरों ने वृद्ध डिंगुर की ईंट से सिर कूच कर हत्या कर दी।सुबह जब ग्रामीण शौच के लिए खेत के तरफ गए तो डिंगुर शर्मा का शव कमरे के बाहर खेत मे पड़ा देख अचंभित रह गए।सिर पर ईंट से कई बार किये गए थे।वही ग्रामीणों ने घटना की सूचना परिजनों को दिया परिजन रोते विलखते मौके पर पहुचे धीरे धीरे ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई,ग्रामीणों घटना की सूचना 112 को दिया।सूचना पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आवश्यक कार्यवाही में जुट गई।वही सूचना पर फॉरेन्सिक टीम ने भी पहुचकर आवश्यक जांच पड़ताल किया।घटना स्थल पर एसपी ग्रामीण शैलेन्द्र सिंह व क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं चोभ सिंह ने पहुचकर जायजा लिया।वही मृतक के भतीजे ओमप्रकाश शर्मा ने अज्ञात के खिलाफ लिखित तहरीर दिया है।जिसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुट गई।ग्रामीणों के मुताबिक मृतक बहुत ही सरल स्वभाव के थे पता नही किस कारण से किसी ने ऐसे निहायत सीधे साधे व्यक्ति की हत्या कर दी

मृतक की शादी भी नही हुई थी भतीजे का परिवार पुस्तैनी घर पर रहता था वही मृतक अकेले अपने ही खेत मे टिन सेड रखकर गुजर बसर करते थे गाँव मे मांगकर किसी तरह खाते पीते थे किसी से भी उनका कोई अनबन नही था।इस संबंध में थानाध्यक्ष नेवढ़िया अश्वनी कुमार दुबे ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बदलापुर महोत्सव को सकुशल मनाए जाने के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बदलापुर विधायक रमेश चन्द्र मिश्रा जी की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में विधानसभा बदलापुर के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा एवं बदलापुर महोत्सव को सकुशल मनाए जाने के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुईं।

बैठक में विधायक ने जल जीवन मिशन के अधिकारियों को निर्देश दिया कि पाइप लाइन के लिए सड़को को बीच में न खोदा जाए। पीएम किसान सम्मान निधि की समीक्षा करते हुए उपनिदेशक कृषि हिमांशु पाण्डेय को निर्देश दिया कि 15 दिन के भीतर शत–प्रतिशत ई–केवाईसी कराना सुनिश्चित करें। विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि अनावश्यक शट डाउन न दिया जाए। विधायक ने कहा कि विधानसभा बदलापुर में 63 केवीए के ट्रांसफार्मर अधिक खराब होने की शिकायते प्राप्त हुई है जिस पर उन्होंने निर्देश दिया 72 घण्टे में ट्रांसफार्मर बदलवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने ट्रांसफार्मरो के क्षमता वृद्वि के लिए शासन को पत्र प्रेषित किये जाने हेतु निर्देश दिये। सामूहिक विवाह में लंबित भुगतान की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि सभी का शत–प्रतिशत भुगतान जल्द से जल्द कर दिया जाये। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि सीएचसी बदलापुर में डिजिटल एक्सरे, अल्ट्रासाउंड मशीन जल्द से जल्द लगाए जाए। सीएचसी बदलापुर में पुरानी एक्सरे मशीन खराब है उसे भी ठीक कराने के भी निर्देश दिए। दिव्यांग आवास हेतु पात्र लोगो को सुविधा का लाभ दिलाये जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि असरोपुर में बन रहे पशु अस्पताल के निर्माण में खराब गुणवत्ता की सामग्री का प्रयोग हो रही है जिस पर कार्यदायी संस्था के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिया।विधायक रमेश मिश्र ने बताया कि इस वर्ष 7, 8 व 9 नवम्बर को बदलापुर महोत्सव मनाया जाएगा, इस बार बदलापुर महोत्सव में कुल 551 सामूहिक विवाह कराने का लक्ष्य रखा गया है। विधायक ने कृषि एवं उद्यान विभाग को निर्देशित किया कि उक्त तिथियों में कृषि गोष्ठी का भी आयोजन कराएं। सेवायोजन विभाग को निर्देश दिया कि रोजगार मेला का आयोजन कर युवाओं को रोजगार दिलाएं। श्रम अधिकारी को निर्देश दिया कि कैम्प लगाकर अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीकरण कराएं। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विभाग स्टाल लगाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही मौके पर ही आनलाइन आवेदन कराएंगे। उन्होंने कहा कि बदलापुर महोत्सव मनाये जाने का उददेश्य है सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार हो जिससे लोग जागरूक होकर योजनाओं का लाभ उठा सके।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, जिला विकास अधिकारी वी. के. यादव, परियोजना निदेशक जयकेश त्रिपाठी, बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. गोरखनाथ पटेल सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ट्रक -ट्रेलर भिड़ंत में फर्नीचर की दुकान में घुसा ट्रक तीन घायल,एक गम्भीर

जौनपुर प्रयागराज हाइवे पर बुधवार भोर में समाधगंज बाजार में हुई दुर्घटना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । सिकरारा थाना अंतर्गत प्रयागराज हाइवे पर बुधवार भोर में समाधगंज बाजार में तेज रफ्तार ट्रक और ट्रेलर की आमने सामने की भिड़ंत के बाद अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे छप्पर में चल रही फर्नीचर की दुकान में घुस गया।दुकान में सो रहे एक बच्चे व महिला के साथ साथ ट्रेलर चालक घायल हो गए। घायलों को रात में जिलाअस्पताल में भर्ती कराया गया जहाँ बच्चे की हालत गम्भीर बनी हुई है।दोनो वाहनों की टक्कर में ट्रेलर बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर बीच सड़क पर बंद हो गया जिससे थोड़ी देर तक आवागमन अवरुद्ध रहा। मौके पर पहुंची पुलिस क्रेन मंगा कर आवागमन बहाल कराया।

जानकारी के अनुसार उक्त बाजार के महादेव गौतम छप्पर में फर्नीचर की दुकान चलाते है। दुकान से आठ सौ मीटर दूर उनका मकान है।मंगलवार को वे बाहर गए थे दुकान पर उनका बड़ा बेटा बिन्देश,छोटा बेटा रत्नेश ,बेटी पूजा ,पत्नी उर्मिला व बिन्देश की पुत्री दिव्या,रमन,शिखा परिवार के सात लोग उक्त छप्पर में सोए थे।रात दो बजे फर्रुखाबाद से आ रहा आलू लदा ट्रक देवरिया से गिट्टी लेने रींवा जा रहे ट्रेलर से भिड़कर अनियंत्रित होकर उक्त छप्पर में घुस गया।ट्रक के धक्के से रत्नेश 12 वर्ष के सिर में गम्भीर चोट आई और पैर टूट गया जबकि उनकी मां उर्मिला 45 को भी चोट लगी बाकी सभी को हल्की फुल्की चोटें आई।ट्रेलर चालक राजन निवासी निचलौल को भी चोट लगी।मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश सिंह ने घायलों को एम्बुलेंस से जिलाअस्पताल भेजवाया जहाँ रत्नेश की स्थिति गम्भीर बनी हुई है। महादेव के बेटे बिन्देश ने बताया कि ट्रक के धक्के से फर्नीचर की दुकान में निर्मित,अर्ध निर्मित बेड,सिंगारदान व अन्य फर्नीचर के अलावा एक बाइक व तीन साइकिल लगभग चार लाख की संपत्ति का नुकसान हुआ हैं।ट्रक चालक मौके से फरार हो गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि बिन्देश ने सुबह तहरीर दी है। विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पहले से घात लगाकर बैठे बदमाशों की गोली से शिक्षा मित्र घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के मुरादपुर कोटिला मोड़ पर पहले से घात लगाकर बैठे तीन की संख्या में बदमाशों ने बदलापुर से घर ऊदपुरगेल्हवा गाँव जा रहे शिक्षा मित्र अनीश सिंह पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर मौके से फरार हो गये। घटना बुद्धवार रात्रि साढ़े दस बजे के आस पास की है। घायल शिक्षा मित्र का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

ग्राम ऊदपुरगेल्हवा निवासी शिक्षामित्र अनीश सिंह का पट्टीदारी जमीनी विवाद गाँव के रमाशंकर सिंह, नरसिंह बहादुर सिंह आदि के बीच वर्षों से चला आ रहा है। जिसका मुकदमा एस यू सी कोर्ट में लम्बित है।

शिक्षा मित्र अनीश सिंह का आरोप है कि वह मंगलवार रात्रि में साढ़े दस बजे के आस पास अपनी माँ का दवा लेकर घर जा रहे थे। शमीर सिंह उनका पीछा करते चल रहे थे। वह जैसे ही मुरादपुर कोटिला मोड़ के पास पहुंचे कि नरसिंह बहादुर सिंह, शमीर सिंह पुत्र नरसिंह बहादुर सिंह व रमाशंकर सिंह एक राय होकर उन्हें घेर कर भद्दी भद्दी गाली गलौज देने लगे। आरोप है कि जबा शिक्षामित्र ने इसका विरोध किया तो रमाशंकर सिंह के ललकारने पर नरसिंह बहादुर सिंह ने उन पर फायर कर दिया। जान बचाने के लिए वह भाग रहे थे कि दाहिने हाथ में गोली लगने से वह बुरी तरह घायल हो गये। घटना की जानकारी मिलते ही प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार राय , सीओ अशोक कुमार सिंह मौके पर पहुँच गये। घायला अवस्था में उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहाँ प्रथम उपचार करने के बाद डाक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहाँ उनका इलाज चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार राय ने बताया कि प्रथम दृष्टया प्रकरण संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। फिर भी केस दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला ने लगाई फाँसी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बरसठी थाना क्षेत्र के चतुर्भुजपुर गांव में एक विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगा ली।सूचना मिलने पर पहुँची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गांव की 38 वर्षीय सरिता देवी अपने टीनशेड में मंगलवार शाम को फांसी लगा ली।

बताया जाता है कि महिला दवा के लिए अपने पति जसवंत पटेल के साथ मड़ियाहूं गयी थी।वहां से आने जांच कराने के बाद दवा लेकर घर पहुँची।उसके बाद उसका पति बाजार चला गया और बच्चे बकरी चराने चले गये। वापस आने के बाद महिला फांसी पर लटक रही थी।सूचना उसके मायके नेवढ़िया थाना क्षेत्र के लाखापुर गांव में देने के साथ ही पुलिस को सूचना दी।

3.74 लाख रसोइयों को मिलेगा 5 लाख तक कैशलेस इलाज

संवाददाता

लखनऊ। प्राइमरी स्कूलों में बच्चों के लिए भोजन बनाने वाले प्रदेश भर के 3.74 लाख रसोइयों को जल्द ही कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। मध्याह्न भोजन प्राधिकरण एमडीएमए ने इस संबंध में एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेज दिया है। मंजूरी मिलते ही एमडीएम के रसोइयों को पांच लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सुविधा मिलने लगेगी। सूत्रों के मुताबिक शासन को प्रेषित प्रस्ताव में कहा गया है।

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने जनपदीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ किया

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। 73वी जनपदीय विद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ आज सुभाष चन्द्र बोस महाविद्यालय कहली तेरवा गौसगंज हरदोई में मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने सरस्वती मां के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया। विद्यालय के छात्रों ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया मुख्य अतिथि का कार्य क्रम के आयोजक अनिल वर्मा ने पुष्प गुच्छ माल्यार्पण एवं बैज लगाकर स्वागत किया स्वागत भाषण जिला विद्यालय निरीक्षक बालमुकुंद प्रसाद द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि को जिला विद्यालय निरीक्षक ने कैप पहनाकर स्वागत किया। राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने ध्वजारोहण किया गुब्बारों को छोड़ा एवं शांति के प्रतीक कबूतर झुण्ड को छोड़ कर रैली में मार्च पास्ट प्रारम्भ हुई।मुख्य अतिथि ने मार्च पास्ट की सलामी ली। कार्यक्रम का संचालन जिला क्रीड़ा सचिव अवधेश त्रिपाठी ने किया प्रतियोगिता के प्रथम सत्र में सबसे पहले ८०० भी दौड़ प्रतियोगिता हुई जिसमें बालिका वर्ग सीनियर में हेमा कोटपाल सिंह इ का साधना आई आर सणडीला मोनिका यादव संतोष इ का बेहदर ने क्रमशः प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर रही बालक में विपिन सिंह अमन कूमार दीपक कुमार प्रथम द्वितीय तृतीय रहे जूं वर्ग बालिका मे सलोनी आशमा बानो ऋचा सिंह प्रथम द्वितीय तृतीय रही जबकि बालक वर्ग में अमबुज यादव पवन कुमार आकाश पाल प्रथम द्वितीय तृतीय रहे ६००मी दौड़ सब जूं वर्ग बालिका मे एशी सिंह प्रियंका सुमैना प्रथम द्वितीय तृतीय रही बालक वर्ग में अनिकेशसिह सिद्धार्थ दीपक प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान हासिल किया निर्णायक रामदयाल अंजय यादव देवेश शुक्ल दिग्विजय सिंह सरोज कुमार अमिता यादव मैना गुप्ता मीनू वर्मा आदि ने की मुख्य निर्णायक सह क्रीड़ा सचिव हंस राज कुशवाहा क्रीड़ा अध्यक्ष श्याम नारायण तिरवेदी रहे जिले के लगभग ६३ विद्यालयों ने प्रतिभाग किया मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप इस रैली का आयोजन किया गया है में सभी प्रतिभागियों को आशीर्वाद है कि प्रदेश स्तर तक नाम रोशन करें अन्त में आयोजक प्रधानाचार्य सुभाष इ का जलिहापुर ने आये हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि एम एल सी अशोक अग्रवाल, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विधानपरिषद सदस्य इंजीनियर अविनीश कुमार सिंह ,जिला विद्यालय निरीक्षक बालमुकुंद प्रसाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वी पी सिंह प्रधानाचार्य टी आर वर्मा टी आर कनौजिया मां शि संघ के प्रा महामंत्री आशीष कुमार सिंह मंडलीय अध्यक्ष विधानचंद्र चन्द्र द्विवेदी राजीव मिश्रा एस डी कालेज प्रवक्ता राजबीर सिंह आदि जिले के प्रधानाचार्य एवं शिक्षक शिक्षिकाये उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया निरीक्षण

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। आज मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी द्वारा प्राथमिक विद्यालय, मुरलीगंज विकास खण्ड टड़ियावां का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के शौक्षिक ज्ञान को परखने हेतु सामान्य श्रेणी के प्रश्न किए गए तथा ब्लैक बोर्ड पर लिखाकर पढ़वाया गया। मौके उपस्थित शिक्षकों द्वारा अवगत करया गया कि 25 हिन्दी एवं 28 गणित में निपुण बच्चे हैं, जबकि पंजीकृत बच्चे 61 हैं। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा शत–प्रतिशत बच्चों के निपुण लक्ष्य को हासिल करने के निर्देश दिये। उन्होंने रसोईघर का निरीक्षण किया गया, शौचालय की नियमित सफाई न किए जाने पर अध्यापक को चेतवानी जारी करने व नियमित सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने टड़ियावां ब्लाक में ब्लाक परिसर, सी0डी0पी0ओ0 कार्यालय, सभागाार, प्रेरणा कैन्टीन, रिकार्ड रूम, शौचालय, मियाबाकी का निरीक्षणा किया, तथा परिसर में ब्लाक के सामने पार्क विकसित कराने के निर्देष खण्ड विकास अधिकारी को दिये। अभिलेखों के निरीक्षण में स्थापना पटल पर अभिलेखों में अद्यावधिक प्रविष्टियॉ अंकित करने के निर्देश पटल सहायक को दिये गये। लेखाकार पटल के अभिलेख अद्यावधिक पाये जाने में जी0एस0टी0 व आयकर समय से दाखिल करने तथा रजिस्टर आफ रजिस्टर, रजिस्टर आफ फाइल व वर्क रजिस्टर सुव्यवस्थित बनाये जाने हेतु रामेन्द्र कुमार, लेखाकार को विशेष प्रशंसा प्रविष्टि जारी की गयी। टडियावां में उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिषन के अन्तर्गत संचालित टी0एच0आर0 प्लांट का निरीक्षण किया गया तथा तैयार माल के स्टोर रूम, वर्कशेड एवं कच्चे माल के स्टोर रूम में लगी ग्रिल में जाली लगवाने के निर्देश दिये गये। अभिलेखों का रख–रखाव सही न पाये जाने पर टी0एच0आर प्लांट के अभिलेख एशोसिएशन आफ परसन मैन्यूल के आधार पर तैयार किए जा रहे हैं अथवां नहीं इसके लिए उपायुक्त, स्वतः रोजगार, उपायुक्त, उद्योग केन्द्र एवं डी0एम0एम0 की त्रिसदस्यीय समिति गठित करने के निर्देष दिये गये। तदोपरांत मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कस्तुरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयय टड़ियावां पहुँचकर क्लास रूम, छात्रावास, शौचालय, कम्प्यूटर लैब का निरीक्षण किया गया। विद्यालय मे 100 के सापेक्ष 92 बच्चे उपस्थित मिले। उन्होंने विद्यालय के बाहर अवस्थित भूमि पर किचेन गार्डन एवं बाउन्ड्रीवाल बनाने के निर्देश दिये। निरीक्षण के समय खण्ड विकास अधिकारी, टड़ियावां नरोत्तम कुमार, खण्ड शिक्षा अधिकारी, टड़ियावा अनुज कुमार, वार्डेन रेखा देवी आदि मौजूद रहीं।

एस के डी ग्रुप ऑफ एजुकेशन को एस के डी कॉलेज ऑफ फार्मेसी की मान्यता मिली

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस के डी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के निदेशक मनीष सिंह ने शुभकामनाओं के साथ हर्ष पूर्वक घोषणा करते हुए बताया कि एस के डी अकादमी द्वारा संचालित एस के डी कॉलेज ऑफ फार्मेसी वृन्दावन योजना को फार्मेसी कौंसिल ऑफ इंडिया द्वारा 60 सीटों के लिए बोर्ड ऑफ टेक्निकल एजुकेशन द्वारा डिप्लोमा इन फार्मेसी कोर्स के लिए मान्यता प्रदान कर दी गई है स हमें यह सूचित करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि यह कॉलेज अत्याधुनिक उपकारणों से युक्त है एवं यहाँ वरीयता प्राप्त विद्यार्थियों के लिए एडमिशन स्कालरशिप के साथ प्रारम्भ किये जा रहे हैं।

जयवीर सिंह दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री एवं प्रभारी मंत्री वाराणसी जयवीर सिंह कल अपराह्न से वाराणसी के दो दिवसीय भ्रमण पर रहेंगे। पर्यटन मंत्री अपराह्न 03 बजे लखनऊ से प्रस्थान कर देर शाम अस्सी घाट वाराणसी पहुंचेगे। सुबह–ए–बनारस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भजन संध्या में शामिल होंगे। इसका आयोजन अतुल द्विवेदी निदेशक लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान द्वारा किया गया है। 12 अक्टूबर को बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी में दर्शन पूजन करेंगे।

समाज कल्याण कर्मी को घूस लेते अयोध्या एंटी करप्शन व कैंट पुलिस टीम ने किया गिरफ्तार

घूस देने वाले कर्मियों की दे सूचना - संजय मिश्रा

अयोध्या। बुधवार को दोपहर शिकायत कर्ता की शिकायत पर सीओ एंटी करप्शन संजय मिश्रा व कैंट पुलिस की संयुक्त टीम ने समाज कल्याण विभाग का पटल सहायक आनंद विक्रम उपाध्याय को पन्द्रह हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किये गये घूस लेने के मामले में समाज कल्याण विभाग में पटल सहायक पद पर तैनात पर आरोपी आनंद विक्रम उपाध्याय से कैंट थाना परिसर में पूछताछ में जुटी हुई थी।इस संबंध में सीओ एंटी करप्शन संजय मिश्रा ने बताया कि आरोपी आनंद विक्रम उपाध्याय ने छात्रवृत्ति के लिए यूजर आईडी पासवर्ड देने के लिए सरस्वती शिशु ज्ञान मंदिर सेमरा हैरिंगटनगंज के प्रबंधक शिवपूजन से पन्द्रह हजार रुपये घूस मांगा था।जिसकी शिकायत भुक्तभोगी ने कुछ दिन पहले एंटी करप्शन विभाग में तैनात सीओ संजय मिश्रा से किया था।जिसे गंभीरता से लेते हुए उन्होंने इस मामले में आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार करने के लिये एक टीम का गठन किया था।जिसमें निरीक्षक राय साहब द्विवेदी, दिनेश कुमार उपाध्याय,अमित कुमार सिंह ने नेतृत्व में मुख्य आरक्षी शम्स तबरेज,आरक्षी संदीप कुमार शुक्ला,कृष्ण मोहन शुक्ला,मनोज कुमार गुप्ता,भुवनेश कुमार दूबे, शंकर लाल यादव,आरक्षी शैलेन्द्र कुमार सिंह सहित अन्य कर्मी शामिल मौजूद रहे।जिन्होंने शिकायत कर्ता से तय शुदा समय पर आरोपी के हाथों पन्द्रह हजार रुपए घूस लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी से पूछताछ करने के लिये एंटी करप्शन की टीम ने रिश्वत लेते ट्रैप करते हुये कैंट थाने में कार्रवाई किया।वही एंटी करप्शन विभाग अयोध्या यूनिट में तैनात सीओ संजय मिश्रा ने लोगों से अपील किया है कि अगर कोई भी सरकारी कर्मचारी व अधिकारी आपसे काम करने के नाम पर आपसे घूस मांगता है तो उसकी सूचना सीधे पुलिस लाइन परिसर में स्थित एंटी करप्शन विभाग को सूचित करें।जिस पर समय रहते उन पर पर कार्यवाही की जा सके।

पाँच दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय मुख्य न्यायाधीश सम्मेलन लखनऊ में 3 नवम्बर से 50 देशों के 170 से अधिक राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व मुख्य न्यायाधीश करेंगे प्रतिभाग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के तत्वावधान में शिश्व के मुख्य न्यायाधीशों का 24वीं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 3 से 7 नवम्बर 2023 तक सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में आयोजित किया जा रहा है। इस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग हेतु विभिन्न देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, न्यायमंत्री, इण्टरनेशनल कोर्ट के न्यायाधीश एवं विश्व प्रसिद्ध शान्ति संगठनों के प्रमुख समेत 50 देश के 170 से अधिक मुख्य न्यायाधीश, न्यायाधीश व कानूनविद् लखनऊ पधार रहे हैं। यह जानकारी आज यहाँ आयोजित एक प्रेस कान्फ्रेन्स में सिटी मोन्टेसरी स्कूल शिक्षाविद एवं अन्तर्राष्ट्रीय मुख्य न्यायाधीश सम्मेलन के संयोजक डा. जगदीश गाँधी ने पत्रकारों की के संस्थापक, प्रख्यात दी। बा. गाँधी ने पत्रकारों को बताया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51श पर आधारित यह ऐतिहासिक सम्मेलन विश्व एकता, विश्व शान्ति एवं विश्व के ढाई अरब से अधिक बच्चों के सुन्दर एवं सुरक्षित भविष्य को समर्पित है।

प्रेस कान्फ्रेन्स में पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए डा. गाँधी ने बताया कि इस पाँच दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पधारने वाली प्रख्यात हस्तियों में स्टीपन मेसिक, पूर्व राष्ट्रपति, क्रोएशियारू जोसेले में प्रिवर्ट, पूर्व राष्ट्रपति, हैतीय जीन–हेनरी सेन्ट, पूर्व प्रधानमंत्री, हैती. डा. पकालिया बी. मोसिलिली, पूर्व प्रधानमंत्री, लेसोथो, माननीय न्यायमूर्ति मेकी मफलाला, मुख्य न्यायाधीश, एस्वातिनी, न्यायमूर्ति चान रीक मदत, मुख्य न्यायाधीश, दक्षिण सूडान, माननीय न्यायमूर्ति हसन बुबकर जालो, प्रेसीडेन्ट, सर्वोच्च न्यायालय, गाम्बिया, माननीय न्यायमूर्ति बीबी रेहाना मुगली–गुलबुल, मुख्य न्यायाधीश, मॉरीशस, न्यायमूर्ति ओलू अरिवृला, मुख्य न्यायाधीश, नाइजीरिया, न्यायमूर्ति डा. जोएल लियोनार्डो, अध्यक्ष, सर्वोच्च न्यायालय, अंगोला, न्यायमूर्ति विक्टर डासी ओडोसी, अध्यक्ष, सुप्रीम कोर्ट, बेनिन, माननीय न्यायमूर्ति एडेलिनो मैनुअल मुचांगा, मुख्य न्यायाधीश, मोजाम्बिक, माननीय न्यायमूर्ति रॉक्सैन जार्ज विल्टशायर, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश, गुयाना एवं माननीय न्यायमूर्ति डॉ. आदेल ओमेर शेरिफ उप मुख्य न्यायाधीश मिस्र आदि प्रमुख हैं।

इस ऐतिहासिक सम्मेलन कीरूपरेखा बताते हुए डा. गाँधी ने कहा कि विभिन्न देशों के न्यायविद् य अन्य प्रख्यात हस्तियाँ 1 नवम्बर को दिल्ली पधारेंगे एवं ताजमहल का दीदार करने आगरा जायेंगे। इसके उपरान्त दिल्ली लौटकर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे एवं नई दिल्ली स्थित कान्स्टीट्यूशन क्लब में सम्मेलन के प्रथम सत्र को सम्बोधित करेंगे। 3 नवम्बर को विभिन्न देशों के न्यायविद् व अन्य प्रख्यात हस्तियाँ लखनऊ पधारेंगे।

सी.एम.एस. के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि इस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जिन 50 देशों के मुख्य न्यायाधीश, न्यायाधीश व कानूनविद् आदि प्रतिभाग कर रहे हैं. उनमें अल्बानिया, अंगोला, आस्ट्रेलिया, बेलीज बेनिन, बोस्निया एण्ड हर्जेगोविना बोत्सवाना, ब्राजील, बुर्किना फासो, कैमरून, कोस्टारिका, क्रोएशिया, कांगो, जिबूटी इक्वाडोर मिस्र, इक्वाटोरियल गिनी इस्वातिनि, इथियोपिया, गाम्बिया, जार्जिया, जर्मनी, गिनी, गुयाना हैती, किर्गिज रिपब्लिक, लेबनान, लिसोथो, लक्जमबर्ग, मेडागास्कर मलावी, माल्टा, मारिटानिया, मारीशस, मंगोलिया, मोजाम्बिक, म्यांमार, निकारागुआ, नाइजीरिया, पेरू, पोलैंड, साओ टोमे एण्ड प्रिंसिपे, दक्षिण कोरिया, दक्षिण सूडान सूरीनाम, स्विट्जरलैंड, छाड, अमेरिका, वेनेजुएला एवं भारत प्रमुख हैं।

श्री शर्मा ने बताया कि डा. जगदीश गाँधी के संयोजकत्व में सी.एम.एस. द्वारा अभी तक 23 अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किये जा चुके हैं। इन अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अब तक 138 देशों के 1429 से अधिक मुख्य न्यायाधीश, न्यायाधीश तथा राष्ट्राध्यक्ष प्रतिभाग कर चुके हैं जिन्होंने विश्व एकता, विश्व शान्ति व विश्व के ढाई अरब बच्चों के सुरक्षित भविष्य की मुहिम को भारी समर्थन दिया है। इसी कड़ी में 24वीं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पारित करने पर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चित्रांश महासभा महिला मोर्चा ने धन्यवाद ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ। अखिल भारतीय चित्रांश महासभा की महिला शाखा की राष्ट्रीयअध्यक्षा श्रीमती सरिता वर्मा ने ष्नारी शक्ति वंदन अधिनियमष् को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा संसद के दोनों सदनों में बहुमत से पारित कराए जाने को एक ऐतिहासिक कदम बताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा कि ष्गत 27 वर्षों से लटके हुए इस बिल को संसद में बहुमत से पारित करना मोदी जी की राजनीतिक कुशलता को दर्शाता है।ष उन्होंने कहा कि संस्था की सभी महिला सदस्य और वह स्वयं प्रधानमंत्री को उनके इस ऐतिहासिक कार्य के लिए बधाई देती हैं और हृदय की गहराइयों से उनका आभार व्यक्त करती हैं।

श्रीमती वर्मा ने कहा कि इस बिल के पारित होने से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ेगा तथा राजनीति में उनकी भागीदारी और भी मजबूत होगी। उनका यह कदम इस बात

को भी दर्शाता है कि प्रधानमंत्री महिलाओं के विकास के प्रति पूरी तरह जागरूक प्रधानमंत्री के इस ऐतिहासिक कार्य का पूरे जोर–शोर से समर्थन करते हैं।

उन्होंने कहा, हमें विश्वास है कि प्रधानमंत्री अभी और भी ऐसी योजनाएं शुरू करेंगे जिससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति और भी मजबूत होगी तथा सामाजिक, व्यावसायिक और शैक्षिक क्षेत्र में भी उनकी ख्याति बढ़ेगी में एक बार पुनः प्रधानमंत्री जी को ष्नारी शक्ति वंदन अधिनियमष् लाने के लिए हृदय की गहराइयों से धन्यवाद ज्ञापित करती हूं।

अखिल भारतीय चित्रांश महिला महासमा की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सरिता वर्मा के साथ सभी महिला प्रकोष्ठ की महिलाओं की तरफ से और साथ ही देश की सभी महिलाओं की तरफ से जिसमें मुख्य रूप से कुमुद श्रीवास्तव, मीनाक्षी वर्मा, रत्ना श्रीपाला, मिथिलेश श्रीवास्तव यशी वर्गा अरुणिमा श्रीवास्तव, विनीता श्रीवास्तव, रूबी राज सिन्हा, अर्चना श्रीवास्तव नीरजा श्रीवास्तव, रेखा श्रीवास्तव गीता नायक श्रीवास्तव, अनीता श्रीवास्तव आरती वर्मा, ममता भटनागर, शोभा श्रीवास्तव रीता श्रीवास्तव, शारदा श्रीवास्तव श्रिया निगम, किरन बहादुर, मृदुला सक्सेना, रेशमा निगम, ममता श्रीवास्तव, रीना विक्रम सिंह, अल्पना सक्सेना, शीलमा श्रीवास्तव पूजा. पूनम श्रीवास्तव, प्रिया अस्थाना, बबिता सक्सेना, ममता सक्सेना, मधु श्रीवास्तव, आदिसभी महिला सदस्य आपका पुरजोर समर्थन करते हुए आपका आभार व्यक्त करती हैं।

चित्राश महिला महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता वर्मा सहित सभी उपस्थित महिलाओ ने एक साथ मिलकर प्रधानमंत्री को लिखित ध न्यवाद पत्र जिलाधिकारी द्वारा प्रेषित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन को थाना हजरतगंज के एसआई भानु प्रताप सिंह ने स्वीकार किया।

मनभावन संगीतमय सुंदरकांड पाठ के साथ रामलीला का शुभारंभ

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) । 11 अक्टूबर। श्री रामलीला मेला मोहल्ला पठकाना, शाहाबाद में 87वें बर्ष के भव्य रामलीला मेले का उद्घाटन सुप्रसिद्ध चिकित्सक सत्यप्रकाश मिश्रा ने किया।

श्री रामलीला मेला मंच मोहल्ला पठकाना पर प्रतिष्ठापित राम दरबार सहित भक्त हनुमान और ब्रह्मलीन परमहंस स्वामी बड़खर बाबा की प्रतिमा पर द्वीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना के साथ 87वें बर्ष की रामलीला का शुभारम्भ हुआ।

मीडिया प्रभारी ओमदेव दीक्षित के अनुसार उद्घाटन के उपरांत मुमुक्ष आश्रम से मंच पर उपस्थित टीम ने मनभावन संगीतमय सुंदरकांड पाठ जैसे ही शूरू किया वैसे ही संपूर्ण वातावरण अत्यन्त रमणीक एवं भक्तिमय हो गया और रामलीला मैदान में विराजमान सबकेसब भक्तगण भावविभोर होकर अपने दोनों हाथ ऊपर उठाकर तालियां बजाने लगे, तालियों की तड़तड़ाहट के मध्य मंत्रमुग्ध भक्तगण हनुमानभक्ति में खोते गए और पूरी भक्तिभावना से ओतप्रोत होते गए, भक्तों की भावभंगिका से असीम आनन्द की अनुभूति हो रही थी। सुन्दर काण्ड पाठ के अंत में हनुमान चालीसा का शुद्ध सर्वप्रिय उच्चारण भक्तगणों ने एक स्वर से किया। और फिर मुख्य अतिथि के अभिभाषण के तदन्तर समिति अध्यक्ष का अभिभाषण सभी श्रोतागणों ने श्रवण किया और दोनों के विद्वतापूर्ण वक्तव्य की भूरि भूरि सराहना की। अंततोगत्वा आरती के उपरांत मुमुक्ष आश्रम से पधारे युवा अतिथि ने अपने एक भजन के माध्यम से समस्त श्रोताओं की पुलकावलि बढ़ा दी और उसके बाद समस्त श्रोताओं समेत समस्त अतिथियों ने रामलीला मैदान से विदा ली और अपने अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान किया। इसी बीच मुख्य अतिथि उपरोक्त द्वारा अपनी स्वरचित धार्मिक पुस्तक सुन्दर काण्ड पर आधारित सीता भक्ति की खोज का निशुल्क वितरण किया गया। पुस्तक के रचयिता डॉ0 सत्यप्रकाश मिश्र इसी इलाके के मूल निवासी और पड़ोसी जनपद शाहजहांपुर के सुप्रसिद्ध चिकित्सक हैं।

इस मौके पर समिति के अध्यक्ष संजय मिश्रा बबलू समेत संरक्षक डॉ0मुरारीलाल गुप्ता, डॉ0दीपक मिश्रा, मस्तराम मिश्रा, मनोविनोद अवस्थी, रामसेवक रस्तोगी, अभय खत्री, अरुण अग्निहोत्री, सियाराम राठौर, सर्वेश गुप्ता अनमोल गुप्ता, सर्वेश गुप्ता, आशीष मोहन तिवारी, अनुराग मिश्रा मधुप, दिलीप मिश्रा, मंदीप मिश्रा, शशि मिश्रा, धर्मवीर यादव, प्रिंस गुप्ता, सर्वेश मिश्रा, अक्षत मिश्रा, पवन भारद्वाज, दीपक बाजपेई, सनत मिश्रा, रजत मिश्रा, मुकेश अवस्थी, मृदुल अवस्थी, सुमेंद्र अवस्थी, आदि ने मंच पर प्रतिष्ठापित प्रतिमाओं का पूजन कर पुष्पवर्षा की।

भूतनाथ बाजार की सड़कों से अस्थाई अवैध अतिक्रमण को हटाने की मांग को लेकर भूतनाथ आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारी महापौर से मिले

महापौर को ज्ञापन सौपा, अतिक्रमण हटवाने की मांग की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भूतनाथ आदर्श व्यापार मंडल के तत्वावधान में भूतनाथ बाजार के अध्यक्ष कमल अग्रवाल के नेतृत्व में भूतनाथ के व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल लखनऊ की महापौर सुषमा खड़कवाल से उनके कैंप कार्यालय में मिला।

व्यापारी नेता कमल अग्रवाल ने महापौर से भूतनाथ की सड़कों से अवैध अस्थाई अतिक्रमण हटवाने की मांग की।

उन्होंने महापौर को ज्ञापन सौपा व्यापारियों ने महापौर से कहा अस्थाई अतिक्रमण के कारण भूतनाथ बाजार में ग्राहकों का आना मुश्किल हो रहा है यातायात अवरूद्ध रहता है तथा व्यापारियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है

दीपावली जैसे महत्वपूर्ण त्यौहार आने वाले हैं यदि ऐसे में भूतनाथ मार्केट से अतिक्रमण को नहीं हटाया गया तो जनता एवं व्यापारियों को भारी समस्या का सामना करना पड़ेगा महापौर ने व्यापारियों की समस्याओं को सुनते हुए शीघ्र ही समाधान करने का आश्वासन दिया

प्रतिनिधि मंडल में ष्भूतनाथ आदर्श व्यापार मंडलष् के अध्यक्ष कमल अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश सक्सेना , नगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं भूतनाथ के वरिष्ठ व्यापारी नेता अमिताभ श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष सुमित सिंह , मंत्री संतोष गुप्ता, क्षमता गुप्ता शामिल थे।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर स्टूडेंट रेहम बनीं सुएज इंडिया की एक दिन की वाइस प्रेसिडेंट

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ। सुएज इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में कुन्स्कपस्कोलन स्कूल, लखनऊ की स्टूडेंट रेहम फातिमा को एक दिन के लिए सुएज इंडिया का वाइस प्रेसिडेंट मनोनीत कर सम्मानित किया। रेहम फातिमा ने सुएज इंडिया द्वारा आयोजित वीडियो प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वीडियो के लिए पुरस्कार जीता है, जिसमें उन्होंने क्लाइमेट चेंज में युवाओं की भूमिका के बारे में बताया था।

इस मुलाकात के दौरान सुनीता कोहली (वाइस प्रेसिडेंट एचआर) ने रेहम फातिमा की शिक्षा और करियर की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने फातिमा को प्रोत्साहित करते हुए, उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

रेहम फातिमा ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा, "मैं सुएज इंडिया और सुनीता कोहली मैम को यह मौका देने के लिए आभार प्रकट करती हूं। कई स्टूडेंट्स के बीच क्लाइमेट चेंज में युवाओं की भूमिका विषय पर वीडियो कॉम्पिटिशन में मेरा वीडियो चुना जाना गर्व का विषय है। इसके लिए मैं, मेरे पेरेंट्स, टीचर्स और मेरे साथी सभी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। क्लाइमेट चेंज एक ऐसा विषय है जिसमें युवाओं की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है, क्योंकि भविष्य युवाओं के हाथ में है। स्टूडेंट्स को ऐसे मौके मिलने चाहिए ताकि वे अपने लिए, देश के लिए और पर्यावरण के लिए जागरूक बन सकें।

इस अवसर पर सुएज इंडिया की वाइस प्रेसिडेंट एचआर सुनीता कोहली ने कहा, सुएज इंडिया में इंक्लूजन और डाइवर्सिटी का बहुत बड़ा महत्व है। हम चाहते हैं कि सुएज इंडिया एक इंक्लूजिव वर्क प्लेस बने। इसके लिए हम महिलाओं और गर्ल चाइल्ड के सशक्तिकरण पर बहुत ज़्यादा फोकस करते हैं। 11 अक्टूबर को इंटरनेशनल गर्ल चाइल्ड डे मनाया जाता है। इस दिन को खास बनाने के लिए हमने इस कॉम्पिटिशन का आयोजन किया था। यह 16 से लेके 18 वर्ष की आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए आयोजित किया गया था। जिसमें रेहम विनर बनीं और उन्हें एक दिन के लिए हमारी ऑर्गेनाइजेशन का वाइस प्रेसिडेंट बनाया गया। इस प्रतियोगिता के लिए सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल, लखनऊ पब्लिक स्कूल और कुन्स्कपस्कोलन लखनऊ से 15 से अधिक वीडियो प्रविष्टियां प्राप्त हुईं जिनको सुएज ने स्कूलों में जाकर प्रतिभागिता प्रमाण पत्र एवं गुडी बैग दिये। इनमें से कुन्स्कपस्कोलन की रेहम फातिमा की प्रविष्टि को सर्वश्रेष्ठ वीडियो के लिए चुना गया। इस कार्यक्रम में सुएज के परियोजना निदेशक राजेश मठपाल एवम् कम्युनिकेशन हेड सृजन प्रभाकर भी मौजूद रहे।

यूपी पुलिस की बढ़ेगी कनेक्टिविटी, सीएम योगी के निर्देश

पुलिसकर्मियों को मिलेगा हाई स्पीड मोबाइल डाटा, नेटवर्क फेल की समस्या भी होगी दूर

संवाददाता

लखनऊ। सीएम योगी के प्रदेश के विभिन्न विभागों को टेक्नोलॉजी से जोड़ने पर जोर दे रहे हैं। और प्रदेश के सभी विभाग ई ऑफिस से संचालित होने लगे हैं। अब इसी के तहत यूपी सरकार ने यूपी पुलिस में इस्तेमाल होने वाले सीयूजी नंबर के सिम को अपग्रेड करने का निर्देश दिया है। गृह विभाग की बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह निर्देश दिए हैं, जिस पर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके 3जी सिम की जगह 4जी सिम देने की तैयारी शुरू कर दी गयी है। इसको लेकर डीजीपी मुख्यालय के अधिकारियों ने भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) को निर्देशित किया है। 4जी सिम मिलने के बाद पुलिसकर्मियों को हाई स्पीड से जोड़ा जा सकेगा। उन्हें पहले की तुलना में ज्यादा डाटा मिलेगा और उनकी

कनेक्टिवटी भी बेहतर होगी, जिससे अपराधों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। यूपी पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी कई वर्षों से 3जी सिम से काम चला रहे हैं। इसमें अब तकनीकी समस्याएं भी आने लगी हैं। मोबाइल टेक्नोलॉजी में बदलाव की वजह से जल्द ही 5जी इस्तेमाल होने लगेगा। वहीं, वर्तमान में इस्तेमाल हो रहे 3जी सिम की वजह से कई जगहों पर नेटवर्क की समस्या का सामना भी करना पड़ता है, जिसे इस पहल से दूर किया जा सकेगा। इसके अलावा ट्राई की गाइडलाइन के मुताबिक मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों को पुलिस के सीयूजी से होने वाली कॉल को प्राथमिकता देनी होगी। उदाहरण के तौर पर यदि किसी जगह बड़ी घटना होने पर आमजन के साथ पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का जमावड़ा लग जाता है, तो वहां मौजूद बीटीएस अधिक संख्या में कॉल करने की वजह से जाम हो जाता है।

योगी बोले-यूपी में 1 करोड़ युवाओं को रोजगार देंगे

संवाददाता

लखनऊ। यूपी में आने वाले दिनों में 1 करोड़ युवाओं को रोजगार मिलेगा। मंगलवार को सीएम योगी ने इसका ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि 6 साल में 6 लाख से ज्यादा लोगों को सरकारी नौकरी दी गई। पहले की सरकारों में युवा नौकरियों से वंचित रहते थे। नौकरियां आती थीं, लेकिन भ्रष्टाचार के चलते एक ही वर्ग के लोगों को मिल जाती थी। ये अन्याय हमने खत्म कर दिया है। सीएम ने लखनऊ के लोकभवन में ये बातें कहीं। इसके साथ ही उन्होंने 393 होम्योपैथिक फार्मासिस्ट को अपॉइंटमेंट लेटर दिया। सीएम ने कहा, ये वही यूपी है, जहां पहले अराजकता और गुंडागर्दी थी। लेकिन अब ना सिर्फ निवेश बढ़ रहा है, बल्कि युवाओं को नौकरी भी मिल रही है। उत्तर प्रदेश में 38 लाख करोड़ का निवेश, जिस दिन धरातल पर उतरेगा, उस दिन एक करोड़ से ज्यादा युवाओं को रोजगार मिलेगा।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।